10

सबसे बड़ा गुरु

पाठ परिचय – प्रस्तुत पाठ में पौराणिक कथा का वर्णन है। पांडव और कौरव के धनुर्विद्या के गुरु द्रोणाचार्य के पास एक भील बालक एकलव्य धनुर्विधा का ज्ञान प्राप्त करने आया परन्तु गुरु द्रोण ने मनाकर दिया। एक दिन अर्जुन और गुरु द्रोण शिकार के लिए जंगल गए वहाँ उन्होंने अपने भौंकते हुए कुत्ते को एकाएक चुप होते सुना। आगे बढ़ने पर उन्होंने कुत्ते के मुख को बाणों से बंद पाया। यह देख गुरु द्रोण चौंक गए क्योंकि यह ज्ञान उनके प्रिय शिष्य के पास भी नहीं था। तभी एकलव्य ने आकर पूछने पर बताया कि उसने गुरु की मूर्ति बनाकर उसके सामने निरंतर अभ्यास किया है। गुरु ने उसे आशीर्वाद देते हुए कहा कि वास्तव में अभ्यास ही सबसे बड़ा गुरु होता है।

1. **व्याकरणिक परिचय–**

(क) दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

गुरु – ..... वंदना – .....

हाथ – ..... तीर – .....

अजीब – .....

(ख) दिए गए शब्दों का युग्म बनाइए–

ढ़ाल – ..... धनुष – .....

पाठन – ..... जंगल – .....

ज्ञान – .....

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) द्रोणाचार्य कौन थे?

.....

(ख) एकलव्य ने गुरु द्रोण से क्या अनुरोध किया?

.....

(ग) कुत्ता अचानक भौंकते-भौंकते चुप क्यों हो गया?

.....

(घ) गुरु द्रोण चौंककर क्या सोचने लगे?

.....

(ङ) एकलव्य किसके समक्ष अभ्यास करता था?

.....

3. (क) दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) गुरु द्रोण ..... का ज्ञान देते थे।

(ii) द्रोणाचार्य ने ..... को अपनी विवशता बतायी।

(iii) बहुत दिनों बाद ..... और ..... शिकार खेलने गए।

(iv) उन्होंने एक ..... घटना देखी।

(v) मैं समझ गया कि ..... ही सबसे बड़ा गुरु है।

(ख) दिए गए वाक्यों में (✓) या (✗) का निशान लगाइए-

(i) गुरु द्रोणाचार्य पाँडवों को तलवार चलाना सिखाते थे। ☐

(ii) एकलव्य राजकुमार थे। ☐

(iii) द्रोणाचार्य अर्जुन के साथ शिकार खेलने गए। ☐

(iv) कुत्ता अचानक से दौड़ते हुए एक जगह रुककर भौंकने लगा। ☐

(v) एकलव्य ने गुरु द्रोण की मूर्ति बनाई थी। ☐

4. आओ सीखें-

(क) कुछ शब्दों के अंत में 'इत' प्रत्यय जोड़ने पर उनका अंतिम वर्ण लुप्त हो जाता है। कुछ शब्दों का अंतिम वर्ण लुप्त नहीं होता है। जैसे-

लिखना+इत=लिखित घृणा+इत=घृणित

(ख) 'इत' प्रत्यय लगाकर दोनों रूपों के तीन-तीन शब्द लिखिए-

..... + इत = ..., ... + इत = ...

..... + इत = ..., ... + इत = ...

..... + इत = ..., ... + इत = ...

5. रचनात्मक गतिविधि-

(क) पाठ में बने चित्रों में से एक चित्र चार्ट पर बनाकर रंग भरिए और कक्षा में लगाइए-

(ख) 'अभ्यास' के महत्त्व को बताने वाली पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....